Total No. of Printed Pages—4

1 SEM TDC GEHN (CBCS) GE 1

2023

(November)

HINDI

(Generic Elective)

Paper : GE–1

(आधुनिक भारतीय कविता)

Full Marks : 80
Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) 'हाबुडीया बरा' कौन है?

(ख) 'आज दुनिया पे रात भारी है' कविता के रचयिता कौन हैं?

(ग) चंद्रकांता किस भाषा के कवि हैं?

(घ) 'ढोल' कविता का हिन्दी रूपांतरण किसने किया?

(ङ) सुब्रह्मण्य भारती की पहली कविता किस पत्रिका में छपी थी?

(च) 'शंख' किसका प्रतीक है?

(छ) "कहना यह मिथ्या नहीं है भाई
कि इस हृदय से बड़ा कोई मंदिर-काबा नाही।"
यह किस कवि की पंक्ति है?

(ज) श्रीधर भास्कर वर्णेकर की कौन-सी कविता पाठ्यक्रम में दी गई है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) "सृष्टि के पहले दिन के लिए
माटी का पुतला फिर से
माटी में जा मिलेगा
इसी पुरानी बात के लिए।"
—आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'निष्कासितों की बस्ती में' शीर्षक कविता का उद्देश्य लिखिए।

(ग) 'छोटा मेरा खेत' कविता में 'बीज गल गया निःशेष' से क्या तात्पर्य है?

(घ) राधावल्लभ त्रिपाठी द्वारा लिखित 'पत्र-मंजूषा' कविता का भावार्थ लिखिए।

3. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) एक उमा के स्वेदकन पोंछने में
पुँछ गया माथे का सिन्दूर।
रघुनाथ और खहुला घटवार
किसे किधर ले गए उतार पार लहरी

अथवा

बस कि दुश्वार है हर काम का आसाँ होना,
आदमी को भी मयस्सर नहीं इंसाँ होना।
जल्वः अज़ बस कि तक़ाज़ा ए निगह करता है,
जौहरे आईनः भी चाहे है मिज़गाँ होना।

(ख) और कवि होकर माँगता हूँ इतना :
हमारे कविवृन्द को कभी
किसी के हाथ में झूलनेवाले पिंजरे के
तोते न बनाना
जो सिर्फ खुशामद की बोली बोलते हैं।

अथवा

जिससे जन नर से नारी को नीचा जाने।
हम अपनी वह अज्ञानता दूर कर डाले॥
तोड़ दासता को जीवन को सुखी बनावें।
'नर नारी समान है' यह सद्भाव जगावें॥

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) 'मैं वहाँ जाना चाहता हूँ' —कवि कहाँ जाना चाहता है? पठित कविता के आधार पर विस्तारपूर्वक उत्तर लिखिए।

(ख) 'ढोल' कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'भूमि पर आए नव शताब्द हे!' कविता में कवि समय से क्या माँगता है? स्पष्ट कीजिए।

(घ) रवीन्द्रनाथ ठाकुर कृत 'शंख' कविता के कथ्य को अपने शब्दों में लिखिए।

(ङ) काज़ी नज़रूल इस्लाम के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी कविता 'साम्यवाद' का भाव स्पष्ट कीजिए।

(च) 'न्याय देवता' शीर्षक कविता की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

★★★